जेट प्रशिक्षण विमान की विदेशों से खरीद

1009. **श्री राम चन्द्र विकल :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में भारत के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल ने वायु सेना के लिए अत्याधुनिक जेट प्रशिक्षण विमान विदेशों से खरीदने के संबंध में सिफारिश की है ;

(ख) यदि हां तो किन-किन देशों से और कुल कितने विमान खरीदे जायेंगे ;

(ग) इन विमानों की खरीद पर भारत सरकार को कुल कितना व्यय करना पड़ेगा ?

रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री अरुण सिंह) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते ।

प्रशिक्षण विमानों का स्वदेश में ही निर्माण

1010. **श्री राम चन्द्र विकल :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1981 के एक अध्ययन के अनुसार भारतीय वायु सेना के लिए प्रशिक्षण विमान का स्वदेश में ही निर्माण कार्य उपयुक्त बताया गया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि विशेषज्ञों ने अपना यह मत प्रकट किया है कि यदि विमान निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया होता तो अब तक भारत में ही यह विमान, जिसे सरकार विदेशों से खरीदने का विचार कर रही है, बनना शुरू हो गया होता ;

(ग) यदि हां, तो इस परियोजना को छोड़ देने के क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार ऐसे विमान के निर्माण का कार्य किसी विमान निर्माण कम्पनी को सौंपने का विचार रखती है ; यदि हां, तो कब तक ?

रक्षा उत्पादन और रक्षा पूर्ति विभाग में राज्य मंत्री (श्री सूरा राम) : (क) से (घ) 1981 में ऐसा कोई अध्ययन नहीं हुआ था जिसमें भारतीय वायुसेना के लिए प्रशिक्षण विमान का स्वदेश में ही निर्माण कार्य उपयुक्त बताया गया । फिर भी मैसर्स हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लि. (हाल) ने एक आलेख-पत्र में अपने भावी कार्यक्रमों, मूल/आधुनिक ट्रेनर विमान के डिजाइन और विकास की कार्य की संभावनाओं का उल्लेख किया था । इस विमान के संबंध में भारतीय वायु सेना द्वारा बताई गई समय-सीमा देखते हुए मैसर्स हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लि. ने परियोजना पर कार्य करना व्यवहार्य नहीं पाया क्योंकि उनके अपने डिजाइन संगठन के पास पहले ही काफी आर्डर थे । एक उपयुक्त और उन्नत आधुनिक ट्रेनर विमान के चुनाव व इसके निर्माण के बारे में शीघ्र ही निर्णय लिया जाना है । आगे और ब्यौरे देना जन-हित में नहीं होगा ।

Share of Uttar Pradesh in total sugar production

1011. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) what is the share of Uttar Pradesh in the total sugar production of the country in the year 1985-86;

(b) whether this share has increased as compared to last year;

(c) whether it is a fact that the sugarcane suppliers have not been paid their full price by the mills in Uttar Pradesh and Bihar; and

(d) if so, what is the total amount of arrears outstanding so far, State-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI AJIT PANJA): (a) The total sugar production of Uttar Pradesh sugar factories during 1985-86 season aggregated to 16.4 lakh tonnes, which is about 24 per cent of the total sugar production in the country upto 30th June, 1986.